मातृभाषा और राष्ट्रभाषा के प्रति गौरव का भाव होना जरूरी : डॉ पी सी पंचारिया

सुस्मिहित समाचार- पिलानी--(ललित दैड़वाल)- सीएसआईआर-सीरी में 7 सितंबर को हिंदी सप्ताह का विधिवत शुभारंभ हुआ। सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया और मंचासीन वरिष्ठ अधिकारियों ने दीप प्रज्वलन किया। इस अवसर पर डॉ पीके खन्ना डॉ सुचंदन पाल एवं संस्थान के वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारियों के साथ साथ अन्य सहकर्मी भी उपस्थित थे उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने की। अपने संबोधन में उन्होंने अपनी राष्ट्रभाषा और मातृभाषा के प्रति गौरव का भाव रखते हुए इसे अपने दैनिक और कार्यालय जीवन में यथासंभव उपयोग की बात पर बल दिया। अपने संबोधन में डॉक्टर पंचारिया ने कहा कि हमारी हिंदी हजारों वर्ष से भी अधिक पुरानी है ।हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि विषय का विशेषज्ञ होना अधिक महत्वपूर्ण है, भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है। इस अवसर पर हिंदी सप्ताह आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ आरके शर्मा ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सत्र के अंत में संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री विनोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ । कार्यक्रम का संचालन संस्थान के राजभाषा तथा मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी श्री रमेश बौरा ने किया।उद्घाटन सत्र के उपरांत हिंदी सप्ताह की प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ हुआ इसमें पहली प्रतियोगिता के रूप में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आशुभाषण प्रतियोगिता का संचालन श्री मणि भूषण सिंह हिंदी अधिकारी ने किया। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।आशुभाषण प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई। प्रतियोगिता के उपरांत श्री रमेश बौरा ने परिणामों की घोषणा की।प्रतियोगिता के वर्गों और विजेताओं का विवरण इस प्रकार है नियमित सहकर्मी वर्ग - डॉ विजय चटर्जी, वैज्ञानिक - प्रथम, श्री गुरमेन्द्र सिंह, वरिष्ठ सचिवालय सहायक- द्वितीय, श्री महेंद्र सिंह सोनी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी - तृतीय , सुश्री दीपिका शर्मा, वरिष्ठ सचिवालय सहायक - प्रोत्साहन।अस्थायी सहकर्मी वर्ग- श्री नवीन शर्मा - प्रथम, सुश्री रूबी कुमारी - द्वितीय, सुश्री मीनल चावी - तृतीय, श्री श्यामसुंदर जायसवाल - प्रोत्साहन। मंगलवार को दोपहर बाद के सत्र में वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसका विषय : टोक्यो ओलंपिक में भारत की सफलता देश में खेलों का परिदृश्य बदलने में सहायक होगा रहा।प्रतियोगिता के वर्गों और विजेताओं का विवरण इस प्रकार है :-- नियमित सहकर्मी वर्ग ---डॉ विजय चटर्जी, वैज्ञानिक - प्रथम ,श्री गुरमेन्द्र सिंह, वरिष्ठ सचिवालय सहायक- द्वितीय, श्री सुनील कुमार उदयवाल, सहायक अनुभाग अधिकारी- तृतीय, श्री महेंद्र सिंह , वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी - प्रोत्साहन।अस्थायी सहकर्मी वर्ग- श्री नवीन शर्मा - प्रथम , श्री अखिलेश मिश्रा - द्वितीय, श्री शुभांशु नेमा - तृतीय, श्री रविंद्र कुमार - प्रोत्साहन।